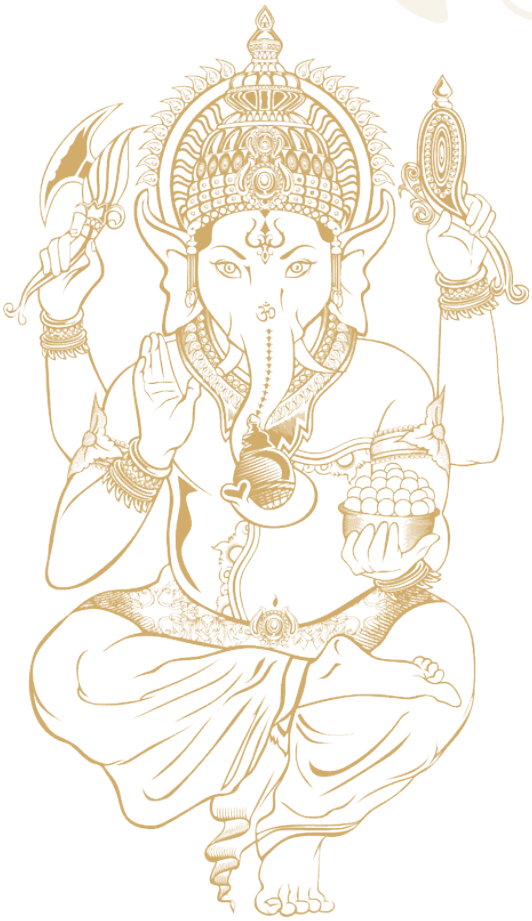

Mr.amit sharma

Ms.mamta rani

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120017101

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120017101 Date: 06/11/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
29/05/1994	जन्म तिथि	30-31/01/1997
रविवार	दिन	गुरु-शुक्रवार
घंटे 18:25:00	जन्म समय	07:00:00 घंटे
घटी 32:40:11	जन्म समय(घटी)	59:27:48 घटी
India	देश	India
Jagadhri	स्थान	Jalandhar
30:11:00 उत्तर	अक्षांश	31:19:00 उत्तर
77:18:00 पूर्व	रेखांश	75:34:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:48	स्थानिक संस्कार	-00:27:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:20:55	सूर्योदय	07:21:44
19:15:05	सूर्यास्त	18:00:40
23:46:58	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:00
वृश्चिक	लग्न	मकर
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	शनि
मकर	राशि	तुला
शनि	राशि-स्वामी	शुक्र
श्रवण	नक्षत्र	स्वाति
चन्द्र	नक्षत्र स्वामी	राहु
1	चरण	1
ब्रह्म	योग	शूल
तैतिल	करण	बव
खी-खिलावन	जन्म नामाक्षर	रू-रूपा
मिथुन	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ
वैश्य	वर्ण	शूद्र
जलचर	वश्य	मानव
वानर	योनि	महिष
देव	गण	देव
अन्त्य	नाड़ी	अन्त्य
मार्जार	वर्ग	मृग

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि		ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 7वर्ष 11मा 4दि		04:18:13	वृश्चि		लग्न	मक	09:56:31	राहु 15वर्ष 4मा 10दि	
राहु		14:08:39	वृष		सूर्य	मक	17:23:50	गुरु	
03/05/2009		12:45:46	मक		चंद्र	तुला	08:37:16	12/06/2012	
03/05/2027		10:24:25	मेष		मंगल	कन्या	11:53:23	12/06/2028	
राहु	14/01/2012	07:10:35	मिथु		बुध	धनु	23:45:24	गुरु	31/07/2014
गुरु	08/06/2014	12:37:25	तुला	व	गुरु	मक	08:23:54	शनि	10/02/2017
शनि	14/04/2017	16:21:39	मिथु		शुक्र	मक	02:16:18	बुध	19/05/2019
बुध	02/11/2019	18:07:24	कुंभ		शनि	मीन	09:41:46	केतु	24/04/2020
केतु	19/11/2020	29:57:27	तुला	व	राहु	कन्या	06:01:34	शुक्र	24/12/2022
शुक्र	20/11/2023	29:57:27	मेष	व	केतु	मीन	06:01:34	सूर्य	12/10/2023
सूर्य	14/10/2024	02:13:56	मक	व	हर्ष	मक	11:11:24	चन्द्र	10/02/2025
चन्द्र	15/04/2026	29:16:01	धनु	व	नेप	मक	04:08:35	मंगल	17/01/2026
मंगल	03/05/2027	02:35:21	वृश्चि	व	प्लूटो	वृश्चि	11:24:02	राहु	12/06/2028

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:46:58 चित्रपक्षीय अयनांश 23:49:00

लग्न-चलित

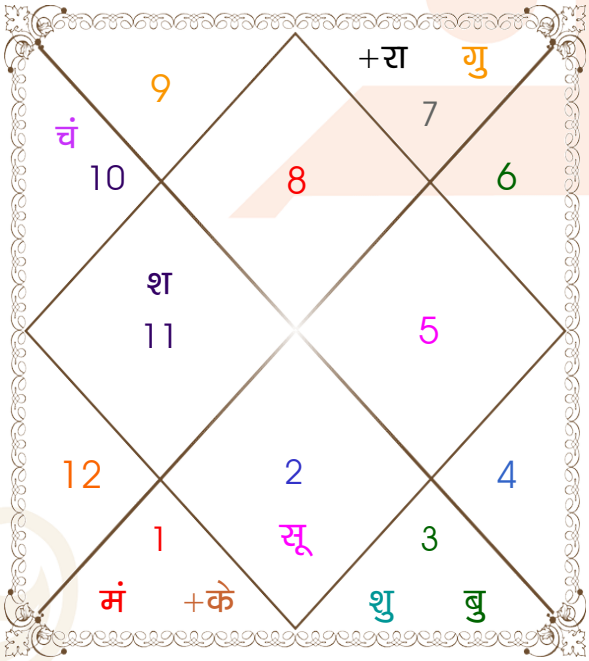

लग्न-चलित

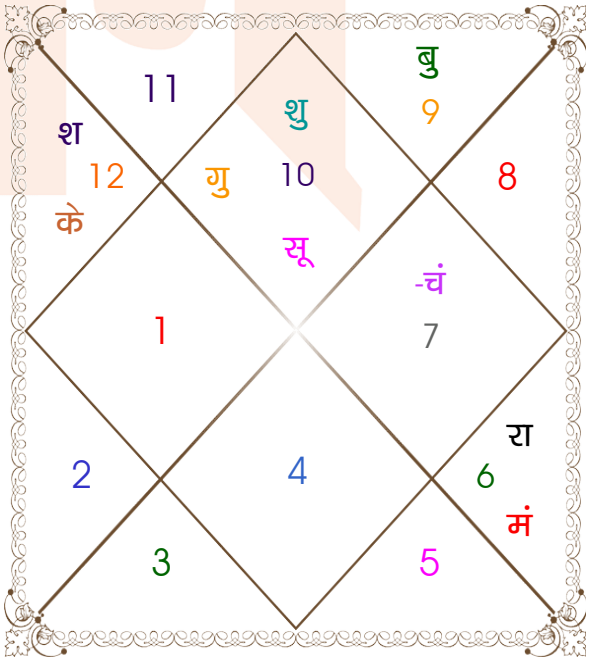

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	महिष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

कुल : **23.5 / 36**

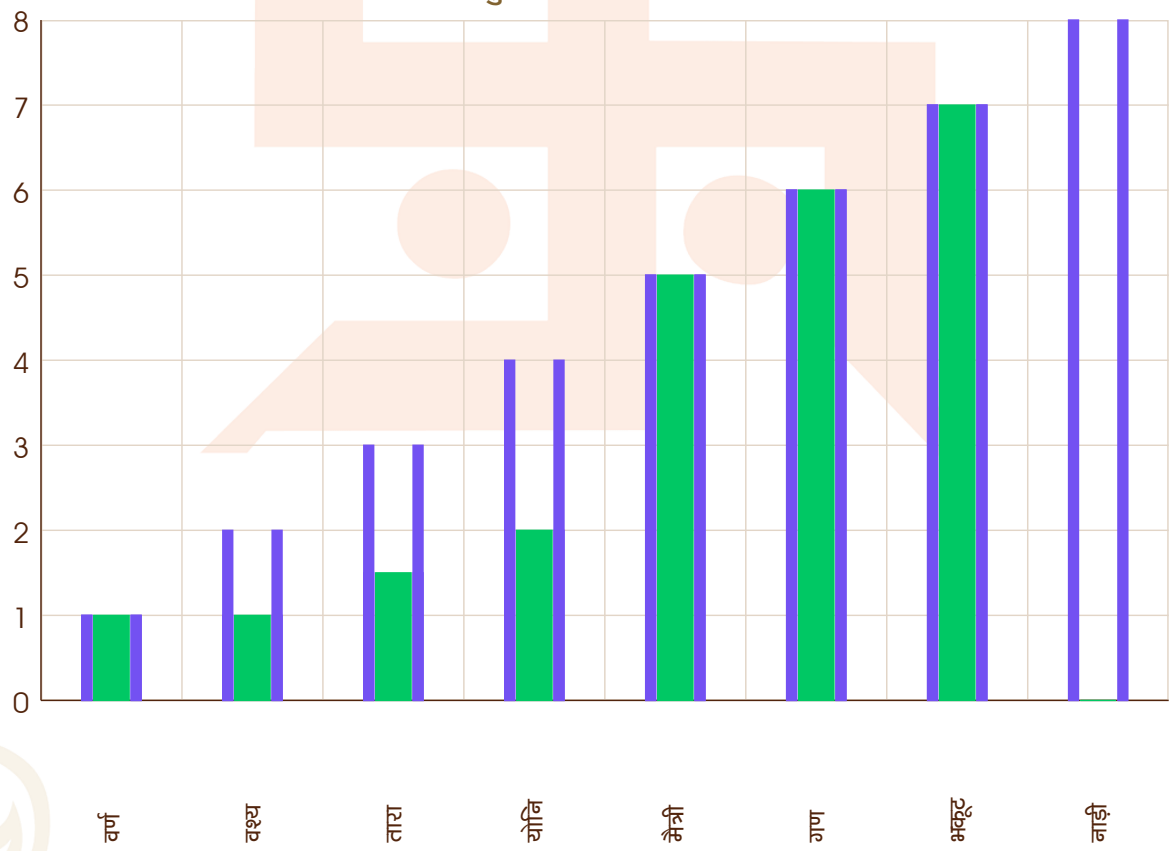

अष्टकूट मिलान

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि डतण्ंउपजेंतउं का नक्षत्र श्रवण है।

डतण्ंउपजेंतउं का वर्ग मार्जार है तथा डेण्उंउजं तंदप का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्ंउपजेंतउं और डेण्उंउजं तंदप का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्ंउपजेंतउं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

डेण्उंउजं तंदप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

डतण्ंउपजेंतउं तथा डेण्उंउजं तंदप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

डतण्उपजेतउं का वर्ण वैश्य है तथा डेण्उंउजं तंदप का वर्ण शूद्र है। इसमें डेण्उंउजं तंदप का वर्ण डतण्उपजेतउं के वर्ण से नीचा है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके फलस्वरूप डेण्उंउजं तंदप अति आज्ञाकारी, सहायता करने वाली तथा बिना किसी शिकायत के पूरे परिवार की सेवा-सुश्रुषा एवं देखभाल करने वाली होगी। साथ ही हर किसी की सेवा के लिए डेण्उंउजं तंदप हमेशा तत्पर रहेगी। बिना उचित कारण के वह किसी के साथ तर्क-वितर्क अथवा झगड़ा नहीं करेगी।

वश्य

डतण्उपजेतउं का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है एवं डेण्उंउजं तंदप का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि पशु एवं मनुष्य के स्वभाव एक-दूसरे से सर्वथा भिन्न होते हैं अतः दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद बिल्कुल अलग हो सकते हैं किंतु फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में रहेंगे। फिर भी कभी-कभी मनुष्य निर्दयी एवं आक्रामक हो जाता है। इसी प्रकार डतण्उपजेतउं एवं डेण्उंउजं तंदप एक-दूसरे के साथ रहकर अपने जीवन का आनंद लेते रहेंगे किंतु कभी-कभी डेण्उंउजं तंदप क्रूर एवं अमर्यादित व्यवहार का प्रदर्शन करती रहेगी।

तारा

डतण्उपजेतउं की तारा मित्र तथा डेण्उंउजं तंदप की तारा विपत है। डेण्उंउजं तंदप की तारा विपत होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। यह मिलान डतण्उपजेतउं एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्य एवं नुकसान का कारण बन सकता है। परन्तु कड़े एवं लगातार प्रयासों के बाद परिणाम सुखदायी हो सकता है। संभव है कि डेण्उंउजं तंदप का रुख सहयोगात्मक नहीं हो तथा आपसी विश्वास, प्रेम एवं समझ की कमी बनी रहे। अक्सर पति एवं पत्नी के बीच संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े रह सकते हैं तथा बच्चे भी इसका गलत फायदा उठायेंगे। जिसके कारण संभव है कि बच्चे योग्य एवं आज्ञाकारी नहीं हों।

योनि

डतण्उपजेतउं की योनि वानर है तथा डेण्उंउजं तंदप की योनि महिष है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध

संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में डतण्उपजेंतउं एवं डेण्उंउजं तंदप दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि डतण्उपजेंतउं एवं डेण्उंउजं तंदप के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण डतण्उपजेंतउं एवं डेण्उंउजं तंदप जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

डतण्उपजेंतउं का गण देव तथा डेण्उंउजं तंदप का गण भी देव है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं संवेदनशील स्वभाव के होंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के अति अनुकूल होंगे तथा एक-दूसरे का काफी ख्याल रखने वाले होंगे। ऐसी स्थिति में वैवाहिक संबंध के उपरांत शांति, सुख, खुशहाली एवं समृद्धि हमेशा कदम चूमती रहेगी।

भकूट

डतण्उपजेंतउं से डेण्उंउजं तंदप की राशि दशम भाव में स्थित है तथा डेण्उंउजं तंदप से डतण्उपजेंतउं की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण डतण्उपजेंतउं एक पारिवारिक व्यक्ति होंगे तथा अपनी पत्नी एवं बच्चों समेत परिवार के हर सदस्य की देखभाल करेंगे। उन्हें अपने संबंधियों से ही खुशी प्राप्त होगी तथा उनकी पत्नी सदैव कर्त्तव्यों के निर्वहन में उनकी मदद करती रहेंगी। डेण्उंउजं तंदप को घर, वाहन, मां का प्यार समेत जीवन में हर सुख एवं खुशी प्राप्त होगी। डेण्उंउजं तंदप

हमेशा अपने पति की परछाईं बनकर सदैव उनकी सहायता करती रहेंगी।

नाड़ी

डतण्ंउपज ेंतउं की नाड़ी अन्त्य है तथा डेण्उंउजं तंदप की नाड़ी भी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। डतण्ंउपज ेंतउं एवं डेण्उंउजं तंदप की एक ही नाड़ी अन्त्य होने के कारण शरीर में श्लेष्मा की अत्यधिक वृद्धि होने की संभावना है। जोकि भावी दम्पत्ति के लिए खतरे की सूचक हैं। जिसके प्रभाववश संतान की मृत्यु भी संभव है। आपको श्वांस की तकलीफ, दमा जैसी बीमारियां तथा कमजोर स्वास्थ्य का सामना करना पड़ सकता है। आपकी संतान मानसिक रोग, सुस्त विकास एवं निम्न बौद्धिक स्तर की शिकार हो सकती हैं।

मेलापक फलित

स्वभाव

डतण्उपज ेतिउं की जन्मराशि भूमितत्व युक्त मकर तथा डेण्उंउजं तंदप की राशि वायुतत्व युक्त तुला राशि है। भूमि और वायु में नैसर्गिक विषमता होने के कारण यद्यपि इनमें स्वभावगत विषमताएं विद्यमान रहेंगी परन्तु सामंजस्य तथा बुद्धिमता से अनुकूल संबंध बनाने में सहायता प्राप्त हो सकती है। अतः यह मिलान सामान्य से अच्छा रहेगा।

डतण्उपज ेतिउं की राशि का स्वामी शनि तथा डेण्उंउजं तंदप की राशि का स्वामी शुक्र परस्पर मित्र भाव में पड़ती हैं अतः इसके प्रभाव से दोनों के मध्य मधुरता रहेगी तथा एक दूसरे के लिए मन में प्रेम सहयोग तथा समर्पण का भाव रहेगा। वे सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। डतण्उपज ेतिउं और डेण्उंउजं तंदप परस्पर गुणों की प्रशंसा तथा सच्चे मित्र की भांति अव गुणों की उपेक्षा करेंगे। इससे जीवन सुखमय रहेगा तथा एक दूसरे के प्रति त्याग की भावना विद्यमान होगी।

डतण्उपज ेतिउं और डेण्उंउजं तंदप की राशियां परस्पर दशम तथा चतुर्थ भाव में पड़ती हैं शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से दोनों एक दूसरे के लिए सौभाग्यशाली सिद्ध होंगे तथा जीवन में भौतिक सुख साधनों को अर्जित करके सुखपूर्वक उनका उपभोग करेंगे। वे एक दूसरे के अस्तित्व को सम्मान प्रदान करेंगे एवं किसी के भी मामले में हस्तक्षेप नहीं करेंगे। फलतः आपस में विश्वास का भाव रहेगा एवं प्रसन्नतापूर्वक दाम्पत्य जीवन का उपभोग करने में समर्थ होंगे।

डतण्उपज ेतिउं का वश्य जलचर तथा डेण्उंउजं तंदप का वश्य मानव है। मानव तथा जलचर में नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में अन्तर रहेगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकताओं में भी अन्तर रहेगा। साथ ही दाम्पत्य संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में कम ही सफल होंगे।

डतण्उपज ेतिउं का वर्ण वैश्य तथा डेण्उंउजं तंदप का वर्ण शूद्र है। अतः डतण्उपज ेतिउं की प्रवृति धनार्जन में अधिक रहेगी तथा धन को विशेष महत्व देंगे। लेकिन डेण्उंउजं तंदप किसी भी कार्य को परिश्रम तथा ईमानदारी से सम्पन्न करेंगी फलतः कार्य क्षेत्र की उन्नति सन्तोषप्रद रहेगी।

धन

डतण्उपज ेतिउं और डेण्उंउजं तंदप दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

डतण्उपजेतउं तथा डेण्उंउजं तंदप दोनों की ही अन्त्य नाड़ी है। अतः दोनों नाड़ी दोष से पीड़ित रहेंगे इसके प्रभाव से इनका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर शारीरिक अस्वस्थता के कारण सांसारिक महत्व के कार्यो को करने में परेशानी की अनुभूति होगी। इससे डेण्उंउजं तंदप को गले से संबधित कोई परेशानी हो सकती है तथा कफ या वात संबंधी कष्ट का भी सामना करना पड़ेगा। लेकिन मंगल का इन पर कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं रहेगा। अतः रोग की गंभीरता से बचाव रहेगा लेकिन समय समय पर न्यूनाधिक कष्ट की इन्हें अनुभूति होती रहेगी। इसके अतिरिक्त डेण्उंउजं तंदप को यदा कदा यौन संबंी गुप्त रोगों का भी सामना करना पड़ सकता है। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन की दृष्टि से यह मिलान अच्छा नहीं रहेगा जिससे इसकी यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से डतण्उपजेतउं और डेण्उंउजं तंदप का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त डतण्उपजेतउं और डेण्उंउजं तंदप के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में डेण्उंउजं तंदप के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन डेण्उंउजं तंदप को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में डेण्उंउजं तंदप को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से डतण्उपजेतउं और डेण्उंउजं तंदप सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार डतण्उपजेतउं और डेण्उंउजं तंदप का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

डेण्उंउजं तंदप के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबध रहेंगे साथ ही अन्य जनों की अपेक्षा सास से संबधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद डेण्उंउजं तंदप अत्यंत

ही धैर्य एवं परस्पर सामजंस्यता के भाव का पालन करेंगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का भाव भविष्य में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबध अनुकूल रहेंगे तथा उनकी ओर से डेण्उंउजं तंदप पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि डेण्उंउजं तंदप अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबधो में औपचारिकता अधिक रहेगी।

ससुराल-श्री

डतण्उपजेीतउं की सास से संबधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर डतण्उपजेीतउं सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन डतण्उपजेीतउं ससुर के साथ मधुर संबधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का डतण्उपजेीतउं के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।